<u>प्रेस विज्ञप्ति – 19th Jan 2017</u>

<u>मंत्र से लेकर तंत्र, संगीत से लेकर ट्रांस चिकित्सा के समन्वय का प्रयास</u>

समन्वित चिकित्सा कार्यशाला में देशभर से जुटे पारंपरिक चिकित्सा दिग्गज

विपस्सना भगवान बुद्ध का बताया वो उपहार है जिसके भरोसे मनुष्य अपने दुखों का अंत कर सकता है। नव नालंदा विहार विवि के पूर्व कुलपति और विपस्सना के विद्वान प्रो रविन्द्र पंथ ने कुछ इसी अंदाज में अपनी बात रखी सांची विवि में चल रही समन्वित चिकित्सा कार्यशाला के दूसरे दिन। उन्होने कहा कि **विपस्सना से ना सिर्फ दिमाग पर काबू होता है बल्कि हमारी शुद्धि और मान्य धर्म भी स्थापित होता है।** उन्होने कहा कि शरीर की प्रतिक्रियाओं को समझकर उनका बुद्धिमतापूर्ण ढंग से इस्तेमाल कर पाना ही इस थैरेपी की खासियत है। निमहांस बैंगलुरू से आई डॉ रत्ना काकूमानू ने ध्यान के न्यूरो साइंस प्रयोगों और उनकी उपयोगिता को साबित किया। उन्होने बताया कि **ध्यान करने वालों का दिमाग ज्यादा सक्रिय पाया गया** और नकारात्मक विचारों और असफलता को वो ज्यादा बेहतर तरीके से संभाल सकते है।

स्माइल थैरेपी के डॉ पंकज जैन ने बताया कि सभी जगह पांच अवस्थाएं होती है जिसमें सिकुड़ना, ठहरना, फैलना और फिर स्थिर होना शामिल है। लेकिन पांचवी चीज है जो सबकुछ नियमित, नियंत्रित और संचालित करती है। उन्होने कहा कि **हम ठहरना भूल गए है जिससे हमारा उस परमशक्ति से संवाद टूट गया है।** अगर हम अपनी आत्मा और जिंदगी में निश्चल मुस्कान को ट्राइओरिजिन स्माइल थैरेपी से पाकर फिर से सर्वशक्तिमान से संवाद कायम कर सकते है।

वैदिक ज्योतिष के पंडित शेखर पांडे ने कहा कि कुंठा को छोड़ने के साथ ग्रह योग, राशि और स्थान के ज्यामितिय आकलन के सहारे रोगी की प्रकृति और उपचार से बेहतर नतीजे प्राप्त कर सकते हैं। **क्रिएटिव विजुलाइजेशन** पर डॉ सारा चिंतनवाला ने कहा कि विचार बहुत शक्तिशाली होते है। उनके मुताबिक कोई व्यक्ति अपने विचार और संवेदना को जागृत कर उसके दिमाग में मौजूद तमाम शक्ति को काबू कर कुछ भी पा सकता है। उनके मुताबिक भावनाएं मनुष्य के विकास में बड़ी बाधक है।

मंत्र थैरेपी की डॉ मंजू जैन ने भक्तांबर के 48 श्लोकों के सहारे कई असाध्य रोगों की चिकित्सा और ठीक होने पर अपनी प्रस्तुति दी। **वैदिक स्पीरिचुअल हिप्नोसिस** के वेदरवि शेंगर ने बताया कि अपने विचारों और संवेदनाओं पर नियंत्रण के सहारे हम अपनी परिस्थति और पर्यावरण दोनों को बदल सकते हैं। उन्होने शाब्दिक हिप्नोसिस और मौन हिप्नोसिस को समझाते हुए जिनेवा में परमाणु आयोग में उन्होने मंत्रोच्चार के सहारे मौलिक्यूल की गति में परिवर्तन का उदाहरण भी दिया। **ट्रांस मेडिटेशन** के डॉ आशीष गांगुली ने अपनी विधा के जरिए इलाज की विधि को समझाया। डॉ विभा शर्मा ने संगीत चिकित्सा के जरिए दिमाग और शरीर को व्याधिमुक्त करने पर प्रस्तुतिकरण दिया। यूनानी चिकित्सा के डॉ आरीफ अनीस ने रेगीमिनाल थैरेपी और डॉ शकील खान ने इलेक्ट्रो होमियोपैथी के जरिए असाध्य बीमारियों के सफल इलाज पर बात की।

समन्वित चिकित्सा कार्यशाला में 20 जनवरी को तिब्बती चिकित्सा पद्धति लामा फेरा, कला आधारित थैरेपी, गंध चिकित्सा, संगीत चिकित्सा, रंग एवं अंक चिकित्सा, हिप्नोथैरेपी और वैदिक अंकशास्त्र के विद्वान अपने विचार रखेंगे।

कार्यशाला में 30 **पारंपरिक चिकित्सा और ऊर्जा आधारित चिकित्सा प्रणालियों में बीमारी की उत्पत्ति, उसे जानने के तरीकों और निवारण के दर्शन पर गहन चर्चा** के साथ उनके समन्वय पर बात हो रही है। कार्यशाला का उद्देश्य

सरल, सुगम, सटीक, सुलभ और संपूर्ण निरोग है जिसकी प्राप्ति के लिए सांची विवि का समन्वित चिकित्सा केंद्र कार्यरत है।

- विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों के समन्वय पर समन्वित चिकित्सा कार्यशाला
- पारंपरिक प्रणालियों में बीमारी की पहचान और निवारण के तरीकों पर चर्चा
- पारंपरिक प्रणालियों और पैथियों में समन्वय के बिदुंओं पर विचार
- विपस्सना, सृजनात्मक दृश्यता, वैदिक ज्योतिष, मंत्र चिकित्सा, तिब्बती संगीत चिकित्सा, ट्रांस ध्यान, वैदिक अध्यात्म पर हुई बात

आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त समाचार को अपने प्रतिष्ठित लोकप्रिय समाचार पत्र में प्रकाशित करने का कष्ट करेंगे।